सपनों के से दिन

गुरदयाल सिंह

प्रदत्त कार्य-1 : संस्मरण लेखन

विषय : अपने बचपन की मधुर स्मृतियाँ।

उद्देश्य :

- विचार विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- शिक्षक के प्रति आदर्श दृष्टिकोण का विकास।
- वाचन एवं श्रवण कौशल का विकास।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत अथवा सामूहिक दोनों प्रकार से कराया जा सकता है।
2. शिक्षक सर्वप्रथम कार्य व मूल्यांकन के सभी बिंदुओं को स्पष्ट करेंगे।
3. कक्षा के विद्यार्थियों को कुछ समूह में बांटा जाएगा।
4. विचार करने एवं मुख्य बिंदुओं को लिखने हेतु विद्यार्थियों को 10-12 मिनट का समय दिया जाएगा।
5. प्रत्येक वक्ता 2-3 मिनट में अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।
6. शिक्षक उस समय जब विद्यार्थी तैयारी कर रहे हैं, यह ध्यान रखेंगे कि सभी विद्यार्थी रुचिपूर्वक कार्य करें।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- मौलिक व सटीक लेखन/प्रस्तुति
- शब्द चयन
- आत्मविश्वास
- समग्र प्रस्तुति

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छे विचारों व प्रस्तुति की सराहना।
- अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए।

प्रदत्त कार्य-2 : वाद-विवाद

विषय : 'अनुशासन के लिए सख्ती आवश्यक'

उद्देश्य :

- नैतिक मूल्यों का विकास।
- स्वमूल्यांकन की क्षमता का विकास।
- विचार-विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- तार्किक व आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।
- मंच भय से मुक्ति।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. शिक्षक विद्यार्थियों को वाद-विवाद कला के नियमों से परिचित करवाएंगे।
3. संपूर्ण कक्षा को दो वर्गों (एक-पक्ष), (दूसरा-विपक्ष) में बाँटा जाए।
4. चार-चार विद्यार्थियों का एक समूह होगा व एक समूह से एक वक्ता अपने समूह का मत प्रस्तुत करेगा।
5. तैयारी के लिए एक दिन का समय दिया जाए।
6. प्रत्येक वक्ता को 1-2 मिनट का समय दिया जाए।
7. मूल्यांकन का आधार पहले से ही विद्यार्थियों को स्पष्ट कर दिया जाए।
8. एक समूह की प्रस्तुति के समय अन्य समूह व शिक्षक उनका मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- तार्किक क्षमता
- भाषायी क्षमता
- अभिव्यक्ति व प्रस्तुतीकरण
- उपर्युक्त उदाहरणों द्वारा तर्क की पुष्टि

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रत्येक वक्ता को प्रोत्साहित किया जाए।
- अच्छे वक्ताओं को विद्यालय के मंच पर प्रस्तुत करने का मौका दिया जाए।

प्रदत्त कार्य-3 : प्रेरक प्रसंगों का संकलन।

विषय : महापुरुषों के जीवन के प्रेरक प्रसंगों का संग्रह।

उद्देश्य :

- नैतिक व मानवीय मूल्यों का विकास।
- स्वाध्याय की प्रेरणा।
- ज्ञान का विस्तार।
- जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण।
- लेखन-वाचन क्षमता का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. सर्वप्रथम अध्यापक किसी महापुरुष के जीवन से संबंधित प्रेरक प्रसंग सुनाकर कार्य से परिचित करवा सकते हैं।

3. प्रेरक प्रसंगों के संकलन के लिए विद्यार्थियों को 3–4 दिन का समय दिया जाए।

4. कार्य से पूर्व ही मूल्यांकन के आधार बिन्दुओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाया जाए।

5. निर्धारित दिन प्रत्येक समूह से एक विद्यार्थी एक प्रेरक प्रसंग को प्रस्तुत करेगा।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषयवस्तु
- भाषा
- प्रस्तुति
- प्रेरक प्रसंगों की संख्या

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- उत्कृष्ट लेखन व वाचन की सराहना की जाए।
- विद्यार्थी को स्वमूल्यांकन के लिए प्रेरित किया जाए।
- उच्चारण एवं वर्तनी संबंधी अशुद्धियों का निदान करवाया जाए।

प्रदत्त कार्य–4 : नाट्य रूपांतरण व मंचन।

विषय : सपनों के दिन कहानी का मंचन।

उद्देश्य :

- नाट्य विधा से परिचय।
- संवाद लेखन की क्षमता का विकास।
- लेखन एवं वाचन कौशल का विकास।
- सहभागिता का विकास।
- मंच भय से मुक्ति।
- प्रस्तुतीकरण शैली का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. पाठ को समझाने के पश्चात् शिक्षक इस कार्य के संदर्भ में सम्पूर्ण जानकारी विस्तार से दें।
3. कक्षा को कुछ समूहों में बाँट दिया जाए।
4. मूल्यांकन के आधार बिंदु पहले ही स्पष्ट कर दिए जाएं।
5. नाट्य लेखन एवं मंचन के अभ्यास के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाए।
6. नियत दिन पर प्रत्येक समूह नाटक का मंचन करेगा।
7. प्रत्येक समूह को नाट्य मंचन के लिए 5–7 मिनट का समय दिया जाए।
8. एक समूह की प्रस्तुति के समय अध्यापक व अन्य छात्र ध्यानपूर्वक अवलोकन एवं मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- संवाद (लेखन एवं प्रस्तुति)
- भाषा प्रयोग (शब्द चयन व सटीक वाक्य रचना)
- प्रस्तुतीकरण (आत्मविश्वास व हावभाव)
- अभिनय

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना।
- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति को विद्यालय के मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा।
- अभिनय, संवाद–विशेष की सराहना।
- औसत प्रस्तुति को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

प्रदत्त कार्य-5 : कार्य-प्रपत्र तैयार करना।

विषय : अपने विद्यालय की समग्र जानकारी ।

उद्देश्य :

- आसपास के वातावरण के प्रति जागरुकता।
- चिंतन-मनन प्रवृत्ति का विकास।
- ज्ञान का विस्तार।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक विद्यार्थियों से उनके घर व आसपास के वातावरण के विषय में बातचीत करेगा।
3. विद्यार्थियों को उनके विद्यालय के प्रति जागरूक बनाने के लिए एक कार्यप्रपत्र दिया जाएगा।
4. विद्यार्थियों को कार्य करने के लिए 10 मिनट का समय दिया जाए।

कार्य प्रपत्र

क) आपके विद्यालय का कुल क्षेत्र .....

ख) विद्यालय में लगे कुल वृक्षों की संख्या .....

ग) विद्यालय में कुल कमरों की संख्या .....

घ) विद्यालय में कुल शिक्षकों की संख्या .....

ङ) विद्यालय में प्रयोगशालाओं की संख्या .....

च) विद्यालय में छात्रों की संख्या .....

छ) विद्यालय में कौन-कौन से फूलों के पौधे हैं .....

ज) विद्यालय की प्रत्येक मंजिल पर कितने कमरे हैं .....

झ) विद्यालय में कौन-कौन से खेल खिलाए जाते हैं .....

ञ) आपके विद्यालय की एक खास बात .....

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- सही उत्तर

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- शिक्षक ध्यान दें कि प्रत्येक विद्यार्थी इस प्रपत्र को ध्यानपूर्वक करें।
- सबसे पहले सही व पूर्ण कार्य की सराहना।
- संपूर्ण व सही जानकारी को विद्यालाय के सूचनापट्ट पर लगाया जाए।